राजनीति - सिद्धान्त का महत्व
(Significance of Political theory)

आज के युग मे राजनीति - सिद्धान्त (Political Theory) शब्दावली का प्रयोग विस्तृत अर्थ में होता है। एक ओर इसके अंतर्गत यह पता लगाया जाता है कि कोई भी सरकार या शासन - व्यवस्था (Government किस तरह कार्य करती है।
अर्थात इनमे राजनीतिक संस्थाओं की रचना और इनसे जुड़े लोगों के व्यवहार की छान - बीन की जाती है।

सिद्धांन्त को वैज्ञानिक आधार पर स्थापित करने के लिए इसे चिरसम्मत ग्रंथो और राजनीतिक विचारों के इतिहास की परंपरा से मुक्त कराना जरूरी है।

ईस्टन ने लिखा कि परंपरागत राजनीति सिद्धान्त उथल - पुथल की देन है जो बीते युगों के इतिहास की विशेषता रही है।
ईस्टन ने यह भी लिखा कि मार्क्स और जॉन स्टुअर्ट मिल के बाद कोई महान दार्शनिक पैदा नही हुआ।

सहसंबंध (correlation)
किन्ही दो तत्वों के बीच ऐसा संबंध कि एक में कोई परिवर्तन होने पर दूसरे में भी निश्चित परिवर्तन आ जाता है, और इन परिवर्तन निकाले जा सकते है।
राजनीतिक विज्ञान की सार्थकता को सब जगह स्वीकार किया जाता है।
दूसरी ओर राजनीति - दर्शन के अंतर्गत हम युग - युगांतर से प्रचालित विचारो की जानकारी प्राप्त करते है।
साधारणतः इनमें मानव - जीवन के उद्देश्यों और उनकी विधियों के निर्देश मिलते है।